

भारत का राजपत्र **The Gazette of India**

प्राधिकारसे प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 34] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 30, 1969/ भाद्रा 8, 1891

No. 34] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 30, 1969/BHADRA 8, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गये विधिक नियम और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the
Ministry of Defence

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 1st August 1969

IN THE MATTER OF THE CHARITABLE ENDOWMENTS ACT, 1890
AND

IN THE MATTER OF THE ST. DUNSTAN'S (INDIA) FUND

S.R.O. 252.—Whereas the Trustees of the St. Dunstan's (India) Fund acting in the administration of the Fund mentioned above applied for vesting the securities mentioned in Schedule 'A' hereto annexed in the Treasurer of Charitable Endowments for India.

It is hereby notified that the Central Government, in exercise of the powers conferred by Sections 4 and 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), and upon the application as aforesaid and with the concurrence of the said Trustees, doth hereby order and direct that the securities and moneys set out in Schedule 'A' hereto annexed shall, as from the publication of this notification, vest and be henceforth vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successors in office (subject to the provisions of the Charitable Endowments Act, 1890 and the Rules from time to time framed and to be framed thereunder by the Central Government upon trust to hold the said securities and the income thereof in accordance with the trusts and terms and conditions set out in the Scheme set forth in Second Schedule to S.R.O. No. 32 published on 13 May 1950.

SCHEDULE 'A'

Particulars of the Securities

One-fourth part of the residuary estate of the late Shrimati Banubai Byramji Kanga bequeathed to the Trustees of St. Dunstan's Home for Soldiers, Sailors and Airmen blinded on War service, Dehra Dun, vide her will dated the 24th April, 1954, consisting of the following:

Item	Denomination	Face Value
1	2½% Loan 1962	18,000/-
2	4% Bombay Development Loan 1967	1,000/-
3	3½% National Plan Loan 1964	15,000/-
4	3% 1st Development Loan 1970-75	20,000/-
TOTAL		54,000

RAJENDRA JAIN, Dy. Secy.

रक्षा संत्रालय

नई दिल्ली, 31 जुलाई, 1969

खैराती विन्यास अधिनियम, 1890 के मामले में

और

सेंट दुन्स्तान (भारत) निधि के मामले में

का० नि० ग्रा० 252:—यतः सेंट दुन्स्तान (भारत) निधि के न्यासियों ने उपर्युक्त निधि के प्रशासन में कार्य करते हुए एतदुपाबद्ध अनुसूची 'क' में वर्णित प्रतिभूतियों को भारतीय खैराती विन्यासों के कोषपाल में निहित करने के लिए आवेदन किया है।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि खैराती विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 4 और 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और यथापूर्वोक्त आवेदन पर तथा उक्त न्यासियों की सम्मति से केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह आदेश करती और निर्देश देती है कि एतदुपाबद्ध अनुसूची 'क' में उप वर्णित प्रतिभूतियाँ और राशियाँ इस अधिसूचना के प्रकाशित होते ही भारतीय खैराती विन्यासों के कोषपाल में निहित हो जाएगी और इसके पश्चात् निहित रहेगी और वह तथा पद में उसके उत्तराधिकारी (खैराती विन्यास अधिनियम, 1890 तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा तदधीन समय समय पर बनाए गए या जाने वाले नियमों के अधधीन रहते हुए) सई, 1950 को प्रकाशित का० नि० ग्रा० सं० 32 की द्वितीय अनुसूची में निर्दिष्ट स्कीम में उप वर्णित विन्यासों, निबन्धनों और शर्तों के अनुसार उक्त प्रतिभूतियों तथा उसकी आय को धरोहर स्वरूप धारित रखेंगे।

अनुसूची 'क'

स्वर्गीय श्रीमती मनुबाई बैरमजीकांगा की अवशिष्ट सम्पदा का चतुर्थांश जो युद्ध सेवा में अन्धे हो गए सैनिकों, नौसैनिकों और वायु सैनिकों के लिए देहरादून स्थित सेंट दुन्स्तान गृह के न्यासियों को,

24 अप्रैल, 1954 की उस की बिल के अनुसार, वसीयत में दे दिया गया है, निम्नलिखित से मिलकर बना है :—

क्र.सं.	अभियान	अंकित मूल्य रु०
1	2½ प्रतिशत ऋण 1962	18,000
2	4 प्रतिशत मुम्बई विकास ऋण, 1967	1,000
3	3½ प्रतिशत राष्ट्रीय योजना ऋण, 1964	15,000
4	3 प्रतिशत प्रथम विकास, ऋण, 1970-75	20,000
कुल योग		54,000

राजेश्वर जैन, उप सचिव ।

नई दिल्ली, 1 जनवरी, 1969

*का० नि० आ० 20:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० आ० 303 तारीख 11 अगस्त, 1964 को अतिष्ठित करते हुए राष्ट्रपति, महानिदेशालय राष्ट्रीय कैडेट कोर रक्षा मंत्रालय, में वर्ग-1 (राजपत्रित) पद पर भर्ती को विनियमित करने वाले एतद् द्वारा निम्नलिखित, नियम बनाते हैं, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) ये नियम रक्षा मंत्रालय, महानिदेशक राष्ट्रीय कैडेट कोर, (वर्ग-1 राजपत्रित) पद भर्ती नियम, 1968 कहे जा सकेंगे ।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जाएंगे ।

2. लागू होना:—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट महानिदेशालय राष्ट्रीय कैडेट कोर, रक्षा मंत्रालय में वर्ग-1 (राजपत्रित) पद को लागू होंगे ।

3. पद संख्या वर्गीकरण और बेतनमान:—उक्त पद की संख्या उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न बेतनमान वे होंगे जो इससे उपाबद्ध उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से लेकर 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

4. भर्ती की पद्धति, आयुसीमा और अन्य अर्हताएं:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उससे संबद्ध अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से लेकर 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं ।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां कि केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह ऐसे कारणों से जिन्हें लेखन द्वारा अभिलिखित किया जाएगा, और संयुक्त लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा व्यक्तियों / पद के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी ।

*अंग्रेजी से अनुवित ।

अनु

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवर्णन एवं अथवा अग्र-वर्णन पद।	सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य अर्हताएँ
-----------	----------------	----------	---------	----------------------------------	----------------------------------	--

1	2	3	4	5	6	7
कामिक निदेशक	1	रक्षा सेवाएं सिविलियन का-1 राजपदवित्त	रु० 1300-60-1600	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सूची

क्या सीधी परीक्षा की भर्ती की पद्धति, प्रोन्नति/प्रति नियुक्ति/ यदि विभागीय वे परिस्थि- भर्ती वालों का लावधि, क्या भर्ती अन्तरण द्वारा भर्ती प्रोन्नति समिति तिया जिन के लिए यदि कोई सीधी होगी या की दशा में वे श्रेणियां विद्यमान है में भर्ती विहित आयु हो। प्रोन्नति द्वारा जिनसे प्रोन्नति/प्रति- तो उसकी करने में संघ और गैर आणिक या प्रतिनियुक्त/ नियुक्ति/अन्तरण संरचना क्या लोक सेवा अर्हताएं प्रोन्नति/ तथा विभिन्न अन्तरण द्वारा, किया जाना है। है। आयोग प्रोन्नता की पद्धतियों द्वारा से परामर्श दशा में लागू भरी जाने किया जाना होगी। वाली रिक्तियों है। की प्रतिशतता।

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण	प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण निम्नलिखित अफसर जो इनसे सम्बन्धित हो — (i) भारतीय प्रशासनिक सेवा (ii) सशस्त्र बल मुख्यालय सिविलियन सेवा के ज्येष्ठ असाैनिक स्टाफ अफसर, जिन्होंने सशस्त्र बल मुख्यालय काडर के सिविलियन स्टाफ अफसर की श्रेणी में और/या सिविलियन स्टाफ अफसर श्रेणी-1 में 3 वर्ष की सेवा कर ली हो। (iii) केन्द्रीय सेवा, वर्ग-1 (प्रतिनियुक्ति की कालावधि मामूली तौर पर 4 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	लागू नहीं होता	जैसा संघ लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन अपेक्षित है।

[सं० ई० 80914/सी० ए० आ० (पी० और सी०)]

आर० बी वाघाईवला,
संयुक्तसचिव,

